सीएसआईआर-सीरी के जयपुर परिसर में आयोजित हुआ इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल (IISF 2024) का कर्टन रेज़र

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)-गुवाहाटी में आगामी 30 नवंबर से 3 दिसंबर 2024 तक आयोजित किए जाने वाले भारत अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल) 2024 का कर्टन रेज़र **दिनांक 8 नवंबर, 2024** को सीएसआईआर-केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी) के जयपुर परिसर में आयोजित किया गया। कर्टन रेज़र कार्यक्रम के माध्यम से भारत के वैज्ञानिक समुदाय को 2047 तक देश को एक विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करने के महत्वपूर्ण लक्ष्य की ओर प्रेरित किया गया। इस आयोजन में नवाचार, प्रौद्योगिकी और सामुदायिक भागीदारी पर विशेष जोर दिया गया। विभिन्न गणमान्य अतिथियों और विशेषज्ञों ने इस बात पर चर्चा की कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी (S&T) किस प्रकार भारत के परिवर्तन में सहायक सिद्ध हो सकती हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (NIA), जयपुर के कुलपति प्रोफेसर संजीव शर्मा थे और विशिष्ट अतिथि के रूप में विज्ञान भारती, राजस्थान के सचिव डॉ. मेघेन्द्र शर्मा उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. पी. सी. पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी ने की।

मुख्य अतिथीय संबोधन देते हुए
प्रोफेसर संजीव शर्मा, कुलपति, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर

मुख्य अतिथि प्रोफेसर संजीव शर्मा, कुलपति, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर ने देश के सर्वांगीण विकास के लिए समावेशिता को अत्यंत आवश्यक बताते हुए कहा कि राष्ट्रीय उत्थान में देश के प्रत्येक नागरिक की भूमिका आवश्यक है। उन्होंने इस अवसर पर चिकित्सा विज्ञान में आयुर्वेद के बढ़ते महत्व पर भी प्रकाश डाला। इस महोत्सव में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान की सहभागिता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्होंने डॉ पंचारिया के प्रति आभार व्यक्त किया।

स्वागत एवं अध्यक्षीय संबोधन देते हुए
डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

इससे पूर्व सीएसआईआर-सीरी के निदेशक **डॉ. पी. सी. पंचारिया** ने स्वागत एवं अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि सीएसआईआर इस आयोजन के लिए तीसरी बार समन्वय एजेंसी की भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि IISF न केवल वैज्ञानिक उपलब्धियों का उत्सव है, बल्कि यह आम जनता के लिए विकास के नए अवसरों को प्रस्तुत करने का एक मंच भी है। उन्होंने IISF की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। डॉ पंचारिया ने आईआईएसएफ को भारत में विज्ञान की एकता और गर्व का प्रतीक बताते हुए आईआईटी-गुवाहाटी में आयोजित होने वाले इस विज्ञान महोत्सव में व्यापक भागीदारी का आह्वान किया।

ऑनलाइन संबोधित करते हुए आईआईएसएफ 2024 के समन्वयक डॉ. सी. आनंदरामकृष्णन, निदेशक, सीएसआईआर-एनआईआईएसटी, तिरुवनंतपुरम

इस अवसर पर आईआईएसएफ (IISF 2024) के समन्वयक **डॉ. सी. आनंदरामकृष्णन,** निदेशक, सीएसआईआर- एनआईआईएसटी, तिरुवनंतपुरम ने सीएसआईआर की भारत में वैज्ञानिक कार्यक्रमों के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने इस वर्ष की प्रेरक थीम, "भारत को विज्ञान और प्रौद्योगिकी से संचालित वैश्विक निर्माण केंद्र में बदलना," पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह थीम स्वतंत्रता दिवस पर माननीय प्रधानमंत्री जी के संबोधन से प्रेरित है। अपने संबोधन में उन्होंने 24 प्रमुख कार्यक्रमों की योजना का उल्लेख किया, जो कृषि नवाचार, स्वास्थ्य सेवा, जैव विविधता, आपदा प्रबंधन, नवीकरणीय ऊर्जा और शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर केंद्रित होंगे। उन्होंने बताया कि इस वर्ष IISF में एक विशेष आकर्षण भारत के चंद्रयान-3 मिशन, जिसने हाल ही में चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैंडिग कर भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक नया अध्याय जोड़ा है, के सम्मान में एक संग्रहालय होगा।

विशिष्ट अतिथि एवं विज्ञान भारती-राजस्थान के सचिव **डॉ. मेघेन्द्र शर्मा** ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी में वैश्विक प्रतिस्पर्धा बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि IISF एक ऐसा मंच है जो परंपरा और नवाचार के बीच संतुलन बनाता है। उन्होंने कहा कि IISF 2024 के लिए अब तक 5000 से अधिक विद्यार्थियों एवं अन्य लोगों ने पंजीकरण करवा लिया है जो प्रतिभागियों के उत्साह का प्रमाण है।

विशिष्ट अतिथीय संबोधन देते हुए डॉ मेघेन्द्र शर्मा, सचिव, विज्ञान भारती-राजस्थान

अतिथियों को शॉल व स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित करते हुए डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

कार्यक्रम के दौरान डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी ने मुख्य अतिथि प्रोफेसर संजीव शर्मा एवं विशिष्ट अतिथि डॉ मेघेन्द्र शर्मा को **शॉल व स्मृति चिह्न भेंट** कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. विजय चटर्जी, वरिष्ठ वैज्ञानिक

इससे पूर्व कार्यक्रम का संचालन करते हुए **डॉ. विजय चटर्जी**, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने अतिथियों का औपचारिक परिचय दिया तथा आयोजन की रूपरेखा से अवगत कराया।

कर्टन रेज़र कार्यक्रम का समन्वयन संस्थान के पीएमई प्रमुख **श्री प्रमोद तंवर**, प्रधान वैज्ञानिक ने किया। श्री प्रमोद तँवर ने कहा कि उत्तर-पूर्वी भारत में पहली बार आयोजित होने वाला यह महोत्सव समावेशिता और वैज्ञानिक उत्कृष्टता का प्रतीक बनेगा, जिससे भारत के विज्ञान और प्रौद्योगिकी द्वारा संचालित परिवर्तनकारी विकास के प्रति प्रतिबद्धता को और मजबूती मिलेगी।

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए श्री साईं कृष्ण वड्डादि, प्रभारी वैज्ञानिक, सीएसआईआर-सीरी, जयपुर परिसर

कार्यक्रम का समापन सीएसआईआर-सीरी जयपुर परिसर के प्रभारी वैज्ञानिक **श्री साईं कृष्णा वड्डादि** द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

कर्टन रेज़र कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य अतिथिगण एवं जयपुर परिसर के सहकर्मीगण

इस कार्यक्रम में आरटीयू, कोटा के कुलपति प्रोफेसर एस.के. सिह; एमएलएस विश्वविद्यालय, उदयपुर के पूर्व कुलपति प्रोफेसर जे.पी. शर्मा; आईसीएआर-सीआईएएच, बीकानेर के निदेशक डॉ. जगदीश राणे; आईसीएआर के पूर्व उपमहानिदेशक और डीयूवीएएस विश्वविद्यालय, मथुरा के पूर्व कुलपति प्रोफेसर केएमएल पाठक; आईसीएआर-रैपसीड-मस्टर्ड रिसर्च निदेशालय, भरतपुर के निदेशक डॉ. पी.के. राय आदि गणमान्य अतिथियों सहित सीएसआईआर-सीरी के वैज्ञानिक व तकनीकी कर्मचारी शामिल थे। इसके अलावा हाइब्रिड मोड में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों एवं कॉलेजों के विद्यार्थी एवं अन्य लोग भी ऑनलाइन उपस्थित हुए।

IISF 2024 मीडिया की नज़र से

दैनिक भास्कर

शेखावाटी भास्कर

सीरी के जयपुर परिसर में हुआ विज्ञान महोत्सव इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल 2024 का कर्टन रेज़र

आईआईटी-गुवाहाटी में होगा चार-दिवसीय विज्ञान महोत्सव आईआईएसएफ-2024